सर्व शिक्षा अभियान, छत्तीसगढ़

संकुल स्त्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु चर्चा के बिंदु

माह जून, 2015

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन

छत्तीसगढ़

आमुख

प्रारंभिक कक्षाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु राज्य में संकुल स्त्रोत केन्द्रों की स्थापना की गयी है | इन स्त्रोत केन्द्रों में संकुल स्त्रोत समन्वयकों के पद इस उद्देश्य से सृजित किए गए थे कि ये चुने हुए व्यक्ति अपने संकुल के सभी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शालाओं में नियमित भ्रमण कर उनमें गुणवत्ता सुधार हेतु आवश्यक सहयोग करेंगे | प्रतिमाह संकुल स्तर पर बैठक आयोजित कर उस माह एक लिए निर्धारित कार्यों की समीक्षा एवं आगामी माह के लिए विभिन्न कार्य तय करेंगे एवं शिक्षकों के सतत क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक सहयोग करेंगे | शालाओं में भ्रमण के दौरान वे शिक्षकों को आनसाईट अकादमिक समर्थन देने के साथ साथ बच्चों के साथ चर्चा एवं अध्यापन आदि कर उनके दक्षताओं के आंकलन का भी कार्य करेंगे |

आप स्वयं आत्मावलोकन करने का प्रयास करें कि क्या एक संकुल स्त्रोत समन्वयक के रूप में आप अपने संकुल की समस्त शालाओं को बेहतर नेतृत्व प्रदान कर पा रहे हैं ? आपने शिक्षकों की कौन कौन सी अकादमिक समस्याओं की पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास किया है ? कितने शिक्षकों ने आपको अकादमिक लीडर मानते हुए अपनी शैक्षिक समस्याओं को आपके समक्ष स्वयं होकर रखने का प्रयास किया है ? ऐसे कितनी समस्याएँ आपके सामने आई हैं जो आपके स्तर पर हल न हो पाने पर आपने अपने जिले के शिक्षक प्रशिक्षकों से जानने का प्रयास किया है ? संकुल स्त्रोत केंद्र में आपने इतने वर्षों में अपने पास ऐसे कौन कौन से संसाधन एकत्रित कर लिए हैं जिसे आप शिक्षकों को उनके क्षमता विकास के लिए उपलब्ध करा सकते हैं ? क्या आपके पास अपने संकुल के ऐसे शिक्षकों की पूरी पूरी जानकारी है जो अलग अलग क्षेत्रों में दक्ष हैं और आप अपने संकुल में अन्य शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए उनका उपयोग किया है ? क्या आपने अपने संकुल की आवश्यकताओं के अनुरूप कुछ सामग्री तैयार की है ? क्या आपने कभी स्थानीय भाषा में बच्चों को अध्यापन कराने का अवसर प्रदान किया है ? क्या आपने कभी शिक्षकों का मूल्यांकन कर अथवा शालाओं की रैंकिंग कर उनमे सुधार लाने का प्रयास किया है ?

ये सभी ऐसे यक्ष प्रश्न है जिन पर विचार अत्यंत आवश्यक है | यदि हम अपने राज्य में बच्चों की उपलब्धि में सुधार चाहते हैं तो सभी संकुलों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी | इस अध्ययन सामग्री एवं जिले में अपनी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकता के आधार पर अपनी सामग्री तैयार कर सतत मानिटरिंग, मासिक समीक्षा बैठकें, आनसाईट अकादमिक समर्थन के कार्य को सुचारू ढंग से चालू रखेंगे और राज्य की सरकारी स्कूलों में लोगों का विश्वास वापस ला सकेंगे |

(मोहम्मद कैसर अब्दुल हक़)

मिशन संचालक

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन

रायपुर, छत्तीसगढ |

पृष्ठभूमि

सभी संकुलों में एक कुशल संकुल समन्वयक कार्यरत होना चाहिए | संकुल स्त्रोत केंद्र नियमित रूप से अपने संकुलों में शिक्षकों की मासिक समीक्षा सह क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन करें | इसके लिए इस वर्ष आप शिक्षकों को निम्नानुसार बांट सकते हैं ताकि उनकी आवश्यकतानुसार अलग-अलग दिनों में कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें:

1. कक्षा १ से ३ अध्यापन करने वाले शिक्षकों की बैठक सह क्षमता निर्माण |
2. कक्षा ४ एवं ५ में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की बैठक सह क्षमता निर्माण |
3. उच्च प्राथमिक शिक्षकों को विषय आधारित प्रशिक्षण |

जिले अपनी सुविधानुसार माह के किन्ही तीन अलग अलग दिनों में ये कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं | इन कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाए कि शालाएं किसी भी स्थिति में बंद न हो| संकुल के अलावा ये बैठकें अलग अलग शालाओं में भी आयोजित की जा सकती है | जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों एवं एजुसेट केन्द्रों के समीप संचालित संकुल स्त्रोत केंद्र अपनी मासिक बैठकें आपसी सहमति से प्रशिक्षण संस्थानों एवं एजुसेट केन्द्रों में आयोजित कर सकती हैं ताकि राज्य एजुसेट केन्द्रों से भी समय समय पर इन बैठकों की सीधी निगरानी एवं सहभागिता की जा सके |

माह जून के लिए चर्चा के बिंदु

चर्चा क्र. १: शालाओं में नामांकन की स्थिति

- अपने संकुल की समस्त शालाओं में कक्षावार गत तीन वर्षों में बच्चों के नामांकन की क्या स्थिति है ?
- क्या बच्चों की दर्ज संख्या में कमी हो रही है ?
- दर्ज संख्या में कमी होने की स्थिति में बच्चे कहाँ जा रहे हैं ?
- लगभग कितने बच्चे शासकीय स्कूलों से निजी स्कूलों में जा रहे हैं ? और क्यों ?
- लगभग कितने बच्चे शाला त्यागी हो रहे हैं और क्यों ? शाला से बाहर जाने के क्या क्या कारण हैं ?
- शाला त्याग एवं निजी स्कूलों की तरफ रुझान को कैसे रोका जा सकता है?

"अनपढ़ लोग एक खाली तिजोरी की तरह होते हैं, उन पर जितना भी हाथ पैर मारो, कुछ नहीं मिलेगा"

हमारे शासकीय स्कूलों के प्रति विश्वास बढाने एवं दर्ज संख्या में सुधार के लिए आप सब चर्चा कर क्या क्या तय कर रहे हैं ? आपकी क्या कार्ययोजना है ? बैठक के कार्यवाही विवरण में अभिलेखित करें और नियमित समीक्षा करें |

चर्चा क्र. २: बच्चों की विभिन्न विषयों के दक्षता की स्थिति

विभिन्न उपलब्धि परीक्षण यह बताते हैं की हमारी कक्षाओं में पढ़ रहे बच्चों को पढ़ना लिखना एवं सरल गणित करना भी ठीक से नहीं आता |

एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा प्रतिवर्ष किए जा रहे उपलब्धि परीक्षण संबंधी अध्ययन (SLAS) के अनुसार राज्य में आधे से अधिक बच्चे ठीक से पढ़ लिख अथवा सरल गणित भी नहीं कर पाते | इसी प्रकार प्रतिवर्ष होने वाले "असर" की रिपोर्ट में भी बड़ी कक्षाओं के बच्चों को छोटी कक्षाओं में आने वाली सामान्य दक्षताएं भी ठीक से नहीं आती | एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली व्दारा किए गए अध्ययन (NAS) में तो छत्तीसगढ़ को सबसे अंतिम स्थान में दर्शाया गया है |

आपके संकुल की शालाओं में बच्चों की दक्षताओं की क्या स्थिति है ? बच्चों के उपलब्धि को सुधारने के लिए इस वर्ष आप सब मिलकर क्या क्या करना चाहेंगे ? गुणवत्ता सुधार के लिए आपकी क्या कार्ययोजना है ? बैठक के कार्यवाही विवरण में अभिलेखित करें और नियमित समीक्षा करें |

चर्चा क्र. ३: हमारी शालाओं में अनिवार्यतः और न्यूनतम क्या क्या हो ?

जिले तय करें कि उनकी शालाओं में अनिवार्यतः और न्यूनतम क्या क्या हो | राज्य की ओर से इस वर्ष सभी शालाओं में निम्नलिखित बातें अनिवार्यतः होना सुनिश्चित करें:

- **प्राथमिक शालाओं में राडिंग कार्नर एवं मैथ लैब:** इसके लिए दिशानिर्देश पूर्व में भेजे गए हैं और सर्व शिक्षा अभियान के वेबसाईट में भी उपलब्ध है |

- **उच्च प्राथमिक कक्षाओं में एक्टिव लर्निंग** सुनिश्चित करने हेतु Wh-Template, KIM, Chrono log, memory techniques जैसे विभिन्न तकनीकों के नियमित उपयोग हेतु दीवारों पर समुचित स्थान हेतु मरम्मत अनुदान का उपयोग |
- सभी शालाओं में बच्चों के पढ़ने के लिए बाल पत्रिकाएँ, अखबारों के साथ आने वाले बच्चों के लिए रुचिकर पठन सामग्री समुदाय से एकत्रित कर स्कूल में उपलब्ध कराना |
- एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा उपलब्ध कक्षावार एवं विषयवार दक्षताओं को संबंधित कक्षाओं के सामने प्रदर्शन करने की व्यवस्था |
- शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के नाम एवं गत बैठक के आयोजन की तिथि |
- लडके एवं लड़कियों के लिए नियमित उपयोग हेतु पानी के साथ अलग अलग शौचालय एवं मूत्रालय |
- सभी बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल एवं हाथ धोने के लिए समुचित व्यवस्थाएं |
- विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों को करने हेतु सरल एवं आसानी से उपलब्ध होने वाले उपकरण एवं सामग्री जिनके नियमित उपयोग करते हुए बच्चों के साथ प्रयोग किए जाने की व्यवस्था हो और बच्चों को विज्ञान एवं अन्य विषयों में प्रयोग करके देखें में रूचि का विकास हो |
- मध्याह्न भोजन करने के लिए स्वच्छ बैठने का स्थान एवं व्यर्थ भोजन को बच्चों व्दारा पक्षियों/ जानवरों को खिलाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं |
- सभी कक्षाओं में गन्दगी के निपटारे के लिए डस्टबिन या कचरा डब्बा | इस हेतु पुरानी अनुपयोगी एवं राशन आदि के कनस्तर का उपयोग किया जा सकता है |

उपरोक्तानुसार सभी बिन्दुओं को संकुल की सभी शालाओं में लागू करने हेतु आपसी सहमति एवं चर्चा से तय करें | संकुल अपनी इच्छा एवं सहमति से इस सूची में कुछ और बिंदुओं को शामिल कर सकते हैं | अपने संकुल में इस प्रकार किए जा रहे नवाचारी कार्यों को सभी के साथ अवश्य शेयर करें |

चर्चा क्र. ४: "स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय" अभियान के अंतर्गत कार्यवाहियां

शिक्षकों के साथ मिलकर निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा करें:

हमारे स्कूल में सफाई से संबंधित कौन कौन सी मुख्य समस्याएँ हैं ?

हमारे स्कूल के प्रांगण का सौन्दर्यीकरण किस प्रकार किया जा सकता है ?

क्या स्कूल परिसर के आसपास खुले में खाने पीने का सामान बिकता है ? इसे कैसे सुधारेंगे ?

बच्चों में सफाई से संबंधित कौन कौन सी बुरी आदतें है ? इधर उधर थूकना, गन्दगी फैलाना, दीवारों पर अपशब्द लिखना, शौचालय में पानी न डालना, नल खोल कर चले जाना, गंदे शब्दों एवं गाली का इस्तेमाल, नहाकर न आना, गंदे कपडे पहनना, बाल बिखरे होना आदि |

इन आदतों का अध्ययन कर गंदी आदतों को दूर करने शिक्षकों को एक समय सीमा में एक्शन रिसर्च कर इन समस्याओं से हमेशा के लिए मुक्ति पाने हेतु कार्ययोजना तैयार कर लागू करें | स्वच्छ आदतों के विकास के लिए स्कूल एवं गाँव में स्लोगन एवं पोस्टर आदि भी लगवाने की व्यवस्था करें |

चर्चा क्र. ५: कक्षावार चर्चा

कक्षा १ से ३ में अध्यापन करने वाले शिक्षकों के साथ चर्चा के मुद्दे:

गत वर्ष मूलभूत भाषाई कौशलों के विकास पर आधारित प्रशिक्षण के लिए उपयोग में लाए गए माड्यूल का अध्ययन कर सभी बच्चों में मूलभूत भाषाई कौशलों – यथा लिखने पढ़ने के विकास हेतु क्या क्या करना होगा, तय करें |

सभी प्राथमिक शालाओं में मरम्मत अनुदान से स्कूल खुलने के साथ ही बच्चों को Print Rich Environment उपलब्ध कराने स्कूल परिसर में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं की सूची तैयार कर उस सामग्री के समीप ही उसका नाम बड़े, स्पष्ट एवं बोल्ड अक्षरों में स्थानीय भाषा, हिन्दी एवं अंग्रेजी में लिखवा देवें | जैसे घंटी के पास घंटी, दीवार, कुर्सी, दरवाजा, खिड़की, मेज, बोर्ड, गेट, मूत्रालय, किचन शेड जैसे लगभग ४०-५० शब्द लिखवा लेवें | बच्चों को यह

समझाएं कि वे जिन वस्तुओं को देख रहे हैं और उनका नाम जानते हैं वही नाम उन वस्तुओं के समीप लिखा हुआ है | बच्चों को पढ़ने के बेसिक हुनर जैसे बाएँ से दाएं पढ़ते हैं और शब्द अक्षरों एवं मात्राओं से बनते हैं जैसे बातों की जानकारी देवें | बच्चों को उनके आसपास स्कूल परिसर में लिखे शब्दों को ध्यान से देखकर अपने आप पढ़ने की आदत डालने का अवसर दें | इससे बच्चों को बिना किसी की मदद से पढ़ने की खुशी लेने का मौका मिलेगा | वस्तुओं के नाम वही लिखे जो स्थानीय तौर पर उपयोग में लाया जाता है | स्थानीय प्रचलित शब्दों को स्थानीय भाषा में ही लिखें ताकि बच्चे बिना किसी की मदद से उसका सही नाम पुकार सकें | यह कार्य बड़ी कक्षा के बच्चों के माध्यम से भी करवाया जा सकता है | आप इन शब्दों को स्थानीय भाषा, हिंदी एवं अंग्रेजी तीनों में लिखवाने की व्यवस्था करें | देखें कि कितने दिनों में बच्चों ने इन शब्दों को पहचानना सीख लिया है | कुछ शब्दों को अलग से श्यामपट पर लिखकर परीक्षण करें | नहीं पढ़ पाने वाले बच्चे अपने परिसर में ये शब्द जहां लिखा है, उसे खोजकर उस वस्तु के सहयोग से पढ़ें | धीरे धीरे सभी शब्दों को पहचानना सुनिश्चित करें |

सभी बच्चों के लिए उनके नाम की पट्टिकाएं बनवा लेवें और रोज स्कूल में आते ही उन्हें अपने नाम की पट्टिका अपने गले में लटकाने को कहें | नाम पट्टिकाओं के समूह से रोज अपने नाम की पट्टिका पहचानने से धीरे धीरे १० से १५ दिनों में सभी बच्चों को अपना नाम पहचानना आ जाएगा | आगामी माह की बैठक में इस बात पर चर्चा करें की बच्चे कितने दिनों में अपने नाम की सही पट्टिका आसानी से पहचानने और निकालने लगते हैं |

बच्चों को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग एवं समूह में पढ़ने एवं पढ़े मुद्दों पर चर्चा का अवसर प्रदान करें | बच्चों को पढ़ने के लिए समुदाय से समाचार पत्रों के साथ आने वाले बाल-पत्रिकाओं के पुराने अंकों को एकत्रित कर उपलब्ध करावें |

"बेटी बचाओ, बेटी पढाओ"

शालाओं में उपलब्धता के आधार पर लिखे जाने योग्य कुछ शब्द इस प्रकार हो सकते हैं:

क्र.	अधो-संरचना सामग्री		कक्ष सामग्री		छात्र सामग्री	मध्यान्ह भोजन सामग्री	अन्य सामग्री
			शिक्षक-सामग्री	कक्षा सामग्री			
1	खेल का मैदान	तार	कुर्सी	चाक	स्कूल–बैग	थाली,	कंकड़
2	हैण्ड-पम्प	पंखा	टेबल	डस्टर	स्लेट	गिलास	पेड़
3	बोर-वेल	दरवाजा	डेस्क	दरी	पेंसिल	मग	पौधे
4	रैम्प	खिड़की	बेंच	टाटपट्टी	कापी	ड्रम	फूल
5	बल्ब	रोशनदान	अलमारी	चटाई	पेन	गंज	मोबाईल
6	ट्युब-लाईट	ताला-चाबी	रैक	ग्लोब	पुस्तक	कड़ाही	गुलदस्ता
7	घंटी	दीवार	घड़ी	मानचित्र	स्केल	चम्मच	हार
8	कील	छत	चार्ट	पिन-बोर्ड	रबर	पानी बोतल	झाड़ू
9	तिरंगा झंडा		पोस्टर		कटर	बाल्टी	साबुन
10	गेट		कैलेंडर		कम्पास बॉक्स	कप	दर्पण
11	बाउंड्री वाल		रजिस्टर		स्केच पेन	ट्रे	कंघी
12			स्टेशनरी		शाला गणवेश	पानी	
13			गोंद		टाई	रोटी	
14					बेल्ट	सब्जी	
15	,				जूता	दाल	
16					मोजा	चांवल	
17					चप्पल	लकड़ी	
18					बोतल	सुपा	
19						चूल्हा	

आप अपने संकुल के सभी शिक्षकों के साथ चर्चा कर यह तय करें की आपके संकुल में कोई भी बच्चा ऐसा नहीं होगा जिसे उसके आयु अनुरूप पढ़ना लिखना नहीं आएगा |

“रोज स्कूल जाएंगे
कुछ नया सीखेंगे
तभी तो आगे बढ़ेंगे”

कक्षा ४ एवं ५ में अध्यापन करने वाले शिक्षकों के साथ चर्चा के मुद्दे:

कक्षा ४ एवं ५ में अध्यापन करने वाले शिक्षकों को प्राथमिक स्तर के सभी विषयों की पुस्तकों विशेषकर पर्यावरण अध्ययन की पुस्तकों में सुझाए गए करके देखने वाले प्रयोगों को बच्चों के साथ मिलकर अनिवार्यतः करने की व्यवस्था की जाए | इस हेतु निम्नलिखित कार्यवाहियां करें: अपने संकुल से कम से कम ५ से १० शिक्षकों का ऐसा समूह बनाए जो आगामी माह के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम से किए जा सकने योग्य प्रयोगों की पहचान कर उसे करके देखने, उसके लिए आवश्यक सामग्री का चयन, उन प्रयोगों को मासिक बैठकों के दौरान करके दिखाए जाने एवं सभी शालाओं के लिए बनाए जाने की व्यवस्था करने में आवश्यक सहयोग करेंगे | शिक्षकों के इस कुशल समूह को Professional Learning Community (PLC) का नाम दें | ये PLC नियमित रूप से एक दूसरे के संपर्क में रहेंगे और आधुनिक तकनीकों जैसे मोबाइल, व्हाटसएप्प, वेब, ईमेल आदि का उपयोग कर नवीन प्रविधियों को अपने संकुल के अन्य शिक्षकों के साथ शेयर करेंगे | ऐसे PLC आप अन्य मुद्दों के लिए भी गठित कर सकते हैं |

अपने संकुल के कुशल शिक्षकों के सहयोग से PLC गठित कर प्रतिमाह के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रयोगों का चयन कर उन्हें बच्चों के समक्ष सभी कक्षाओं में अनिवार्यतः करवाया जाना सुनिश्चित करें | बेहतर प्रयोगों को मोबाइल से रिकार्ड कर भी एक दूसरे से शेयर करें | सभी कक्षाओं में करवाए जाने वाले प्रयोगों के दस्तावेजों को अभिलेखित किए जाने की भी व्यवस्था करें | नियमित मानिटरिंग के दौरान बच्चों से इन प्रयोगों से हुए अनुभव एवं सीख पर अवश्य चर्चा करें एवं उनमें विकसित समझ की जानकारी लेवें |

"घर आँगन को स्वच्छ रखें, गंदगी हटाएँ।
वातावरण बनाएँ ऐसा, जो सबको ही भाए॥"

कक्षा ६ से ८ में अध्यापन करने वाले शिक्षकों के साथ चर्चा के मुद्दे:

उच्च प्राथमिक शिक्षकों की मासिक बैठक प्रतिमाह संकुल के अलग अलग उच्च प्राथमिक शालाओं में रखा जाना बेहतर होगा | इससे प्रतिमाह किसी एक स्कूल में हो रही गतिविधियों की समीक्षा के साथ साथ बच्चों के समक्ष पाठ प्रदर्शन भी आयोजित किया जा सकेगा | अन्य स्कूलों में बच्चों की पढाई प्रभावित न हो इस हेतु उस दिन सभी बच्चों के लिए कुछ समूह कार्य देते हुए प्रधानाध्यापक को शाला संचालन की जिम्मेदारी दी जा सकती है | एक संकुल में औसतन तीन उच्च प्राथमिक स्कूल होते हैं और ९ से १० अध्यापक होते हैं | इतनी कम संख्या के लिए एक मासिक बैठक का आयोजन करते समय इन्हें और विषयवार बांटा जाना अव्यवहारिक होगा | संकुल में अधिक शिक्षकों के होने पर उच्च प्राथमिक स्तर पर भी दो बार आधे आधे शिक्षकों की बैठकें ली जा सकती है |

उच्च प्राथमिक स्तर के विभिन्न विषयों जैसे गणित, विज्ञान, भाषा एवं सामाजिक अध्ययन के लिए कम से कम ५-५ सदस्यों की अलग अलग PLC का गठन करें |

ये PLC के सदस्य एक्टिव लर्निंग के लिए राज्य में प्रचलित लगभग 30 प्रविधियों को बेहतर तरीके से अध्ययन करेंगे | अध्ययन सामग्री पूर्व के प्रशिक्षणों में उपलब्ध करवाई गयी है एवं वेबसाईट में उपलब्ध कराई जा रही है |

PLC के सदस्य अपने विषय के लिए आगामी माह में पढाए जाने वाले विषय के लिए विभिन्न पाठों एवं प्रकरणों के लिए उचित प्रविधियों का चयन कर पाठ प्रदर्शित कर दिखाएंगे |

बेहतर होगा की विषय विशेषज्ञ PLC के सदस्य निकट की शाला के बच्चों के समक्ष एक दो पाठ का सक्रिय प्रविधि का उपयोग कर अध्यापन कर दिखाएंगे | इसे उच्च प्राथमिक स्तर की बैठकों के लिए प्रतिमाह अनिवार्य किया जाए |

एक दूसरे से सीखने की विधियों जैसे Learning station, jigsaw आदि का पर्याप्त अभ्यास करावें |

उच्च प्राथमिक कक्षाओं के सभी शिक्षक मासिक बैठकों में उनके व्दारा पढाए जा रहे पुस्तकों को अवश्य साथ लेकर आएँगे |

प्रविधियों पर चर्चा एवं जानकारी देने के साथ साथ शिक्षक समूह में बैठकर आगामी माह के पाठों के लिए सक्रिय अध्यापन के लिए रणनीति एवं अध्यापन योजना तैयार करेंगे |

सभी उच्च प्राथमिक शिक्षकों के पास प्रत्येक पाठ के लिए सक्रिय अध्यापन करने हेतु उनकी डायरी में अध्यापन योजना लिखित में होनी चाहिए / शालाओं की मानिटरिंग के दौरान इसे देखा जाना और बच्चों से फीडबैक लिया जाना अनिवार्य होगा / इसी आधार पर संकुल की बैठकों के आयोजन के प्रमाण मिल सकेंगे / संकुल स्तर पर शिक्षकों व्दारा प्रस्तुत कुछ बेहतर उदाहरणों, पाठों को एक दूसरे से शेयर करने की व्यवस्था की जाए / शिक्षक चाहें तो ऐसे बेहतर उदाहरणों के पाठों को अपने मोबाइल कैमरे से वीडियो लेकर शेयर कर सकता है /

चर्चा क्र. ६: हमें भेजें

अपने संकुल से निम्नलिखित मुद्दों पर जानकारी तैयार कर सीधे अथवा विकासखंड स्त्रोत केन्द्रों के माध्यम से अथवा ईमेल से mis.head@gmail.com को नियमित रूप से भेजे जाने की व्यवस्था करें:

१. *दर्ज संख्या / नामांकन बढाने हेतु आपके व्दारा किए गए प्रयास का असर /*
२. *स्वच्छता संबंधी आदतों के विकास के लिए किए जा रहे एक्शन रिसर्च के अनुभव /*
३. *शालाओं में वस्तुओं के साथ उनका नाम लिखे गए कुछ छायाचित्र /*
४. *सक्रिय शिक्षण के कुछ बेहतर मौलिक उदाहरण जो आपके शिक्षकों ने खोजे /*
५. *संकुलों में किए जा रहे नवाचारी प्रयास /*

"स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अभियान"

चर्चा क्र. ७: बच्चों के साथ कार्य

बच्चों के साथ निम्नलिखित कार्य किया जाना सुनिश्चित करें:

- प्रतिमाह कागज़ से बनाने वाले कम से कम ५ खिलौने जैसे नाव, मेंढक आदि बनाना स्वयं सीखें एवं बच्चों को भी सिखाएं ताकि बच्चों को मजा आए और शिक्षक भी बच्चों के साथ बच्चा बनकर आनंदित हो सके |
- सुबह की सभा के समय विभिन्न गतिविधियाँ जैसे अख़बार से मुख्य समाचारों का वाचन, स्लोगन, महत्वपूर्ण कथन, स्वरचित सामग्री, पहाडा, साफ़-सफाई की जांच कैसे कार्य नियमित रूप से विविधता के साथ करवाने हेतु चर्चा कर प्रार्थना के दौरान विविध कार्यक्रम तय करें |
- प्राथमिक कक्षाओं में प्रति सप्ताह कुछ लाइन सुलेख का अभ्यास , कम से कम १० शब्दों को सुनकर लिखने अर्थात श्रुतलेख/ इमला या Dictation देते हुए लिखने का अभ्यास करवाएं |
- उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों को स्वतंत्र एवं मौलिक लेखन के लिए विभिन्न विषय देवें जैसे आप उनसे अपने सबसे अच्छे दोस्त, घर के जानवर, यादगार क्षण, यदि मैं ---- होता, आदि के बारे में एक पेज लिखने का अवसर दे सकते हैं |
- बच्चों से समय समय पर IQ, समस्या हल करने की क्षमता, कामन सेन्स की जांच के लिए भी प्रश्न पूछकर इन क्षेत्रों में भी विकास के अवसर देवें |

शिक्षकों को उपरोक्तानुसार सभी जानकारी देते हुए यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्य बच्चों के साथ नियमित रूप से किए जाएं | विभिन्न स्तरों से बच्चों व्दारा लिखी गयी सामग्री, पूछे गए विभिन्न प्रश्न, सुबह की सभा के दौरान किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों के मोबाइल से लिए गए वीडियोज आदि एकत्रित कर सभी के साथ शेयर करें |

चर्चा क्र. ८: अकादमिक कैलेण्डर

अपने संकुल में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए एक अकादमिक कैलेण्डर बनाने से आपको नियमित एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य संपन्न करने में आसानी होगी | महासमुंद जिले के संकुल समन्वयक श्री ओम नारायण शर्मा व्दारा वार्षिक कैलेण्डर तैयार कर उसे लागू किया जा रहा है | यह कैलेण्डर उनके फेसबुक में भी उपलब्ध कराया गया है | आप स्वयं भी इसकी जानकारी उनसे मोबाईल नंबर 9907978910 से प्राप्त कर सकते हैं | इसे राजीव गांधी शिक्षा मिशन के वेबसाईट में भी डाला गया है |

http://ssachhattisgarh.gov.in/Pedagogy.php

चर्चा क्र. ९: आगामी माह के लिए कार्यक्रम

आगामी माह के लिए आप अपने संकुल में निम्नलिखित तैयारी करें ताकि बच्चों के लिए कुछ बेहतर कार्य किए जा सकें:

आपके संकुल में अधिकांश बच्चों व्दारा बोली जाने वाली भाषा में कक्षा १ एवं २ के बच्चों के लिए पठन सामग्री (Materials in Local language)

संकुल में विभिन्न क्षेत्रों जैसे विषय विशेषज्ञता, लेखन, मूल्यांकन, चित्रकारी, संगीत, नाटक, सामुदायिक सहभागिता में कुशल स्त्रोत व्यक्तियों का चिह्नांकन कर उनका समय समय पर उपयोग

इस माह का टीचिंग टिप- किसी मुद्दे को पढ़ाने के बेहतर तरीकों पर कुछ नवाचारी टिप भेजें | अगले माह स्थान देंगे |

चर्चा क्र. १०: मेरे व्दारा किया गया नवाचार

आपने अपने संकुल में गुणवत्ता सुधार के लिए स्वयं होकर जो भी नया कुछ किया होगा, उसकी जानकारी हमारे साथ ईमेल से शेयर करें ताकि बेहतर नवाचारों को आपके साथ बांटा जा सके|

इस माह के लिए सर्वे- माह जून

प्रतिमाह आपको अपने अथवा राज्य की आवश्यकता एवं जानकारी के हिसाब से कुछ सामान्य सर्व कार्य दिया जाएगा जिसे आप अपने शिक्षकों के साथ सामान्य चर्चा एवं अवलोकन कर भरते हुए भेजना होगा | इस माह के लिए सर्वे में आपको यह जानकारी उपलब्ध करानी है कि एक प्राथमिक शाला और उच्च प्राथमिक शाला के संचालन में प्रतिवर्ष लगभग कुल कितना व्यय आता है | संकुल में किसी एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक शिक्षकों के साथ इस मुद्दे पर आवश्यक चर्चा एवं गणना कर आप अपने संकुल के लिए जानकारी अलग अलग दो प्रपत्र में इस प्रकार देंगे:

संकुल स्त्रोत केंद्र का नाम:		
१	प्राथमिक/ उच्च प्राथमिक शाला का नाम	
२	अध्यापन के लिए कुल शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक संख्या	
३	अन्य कार्यरत स्टाफ	
४	कक्षा १ से ५ / ६ से ८ तक कुल बच्चे	
५	सभी स्टाफ के वेतन पर कुल औसत व्यय प्रति वर्ष (१२ माह)	
६	विभिन्न अनुदानों पर प्रतिवर्ष व्यय	
७	मध्याह्न भोजन पर व्यय प्रतिवर्ष	
८	शिक्षक प्रशिक्षण पर व्यय	
९	पाठ्य सामग्री, गणवेश एवं छात्रवृत्ति आदि पर व्यय	
१०	अन्य स्त्रोतों/ योजनाओं से प्राप्त राशि से होने वाला औसत व्यय	
	प्रतिवर्ष प्रति स्कूल होने वाला कुल अनुमानित व्यय	
	कक्षा ५ से ६ में गत वर्ष प्रवेश लिए कुल बच्चों की संख्या	

इस माह के लिए चित्र

आपको अपने संकुल में शिक्षकों के साथ चर्चा के लिए कुछ चित्र उपलब्ध कराए जाएंगे | आपको इन चित्रों को दिखाकर उस चित्र के माध्यम से उठाए गए मुद्दों पर शिक्षकों से चर्चा आयोजित करनी होगी | चर्चा के लिए कुछ सुझावात्मक प्रश्न इस प्रकार हैं:

- इस कक्षा में शिक्षक की भूमिका कैसी लग रही है ?
- पहली बार कक्षा में आ रहे और कक्षा के भीतर बैठे बच्चों में क्या अंतर दिख रहा है ?
- बच्चों को पहली बार लाते समय पालक ने हाथ गर्दन पर क्यों रखा है?
- इस चित्र को देखने के बाद सोचें कि हमारी कक्षाओं की स्थिति कैसी है ?
- बच्चे हंसते खेलते, पढ़ने में रूचि लेकर कक्षा में नियमित आएं, इसके लिए हम सबको क्या क्या करना चाहिए ? बच्चों के शाला प्रवेश के अनुभव को रोचक कैसे बनाया जाए ?
- क्या हम अपने संकुल की सभी शालाओं को बाल मित्र शाला बना सकते हैं ?

कैसे, सोचें, मिलें, करें, देखें और खुश होवें |